

भारतीयों के हृदय में देश के लिए सर्वस्व बलिदान का जज्बा जगाने वाले नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती पर गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर एवं रक्त दाताओं को जागरूक करने का कार्यक्रम किया गया। नेता जी के जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में भी मनाया जा रहा है। आज के दिन रक्तदान शिविर का विशेष महत्व है क्योंकि नेता जी का नारा " तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा" था और आज भी आपके खून की जरूरत मानवता के लिए है आज का नारा है "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें खुशियां दूंगा" ये बातें गोरखनाथ ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने कही ,और आगे बताया कि भारतीय इतिहास के युग पुरुष नेता जी का व्यक्तित्व प्रत्येक देशवासियों के लिए प्रेरणा का सबब है। स्वतंत्र समर के सर्वाधिक साहसिक सेनानियों में अग्रगण्य, आजाद हिन्द फौज के संस्थापक, दृढ़ -प्रतिज्ञा और हौसले के प्रतिमूर्ति, नेता जी के योगदान से देश का कण -कण सुपरिचित है. आजादी की अग्निशिखा का सबसे बड़ा परवाना, प्रिय सितारा " सुभाष "

"जय जय सुभाष, हे अमर दीप ।

तुम थे स्वतंत्रता के प्रदीप "

इसी को ध्यान में रखते हुए आज के युवाओं को रक्तदान के क्षेत्र में बढ़-चढ़ के हिस्सा लेने की जरूरत है। हमारे देश में लगभग प्रत्येक वर्ष 1.2 करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता होती लेकिन लगभग 80 से 90 लाख यूनिट की भरपाई रक्तदान द्वारा हो पता है । गुरु श्री गोरखनाथ ब्लड बैंक समय -समय पर रक्तदाताओं के जागरूक करने और रक्तदान के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए कार्यक्रम करते रहता है।

ब्लड बैंक अधिकारी डॉ ममता जायसवाल ने भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम के महानायक श्री सुभाष चंद्र बोस को उनके जन्म दिन पर कृतज्ञ प्रणाम किया ।

आज के इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया,ये सभी रक्तदाता अनुकरणीय एवं वंदनीय है । सभी रक्तदाताओं को ब्लड बैंक द्वारा सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र , की चैन,कॉफी मग आदि दिया गया ।

वैश्विक महामारी कोविड को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंस, हैण्ड सैनिटाइजेशन तथा मास्क इत्यादि के साथ रक्तदाताओ का चिकित्सीय परिक्षण, हीमोग्लोबिन, बी.पी. पल्स, ब्लड ग्रुप इत्यादि जाँच की गई।